

पञ्चाब्दपूर्तिसमारोहावसरे श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरे समायोजिता उत्तराखण्डविद्यावैभवविषयिणी त्रिदिवसीया अन्तर्राष्ट्रिया अन्तर्जालीया संडगांधा

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य श्री रघुनाथकीर्तिपरिसरेण अस्मिन् वर्षे स्वस्थापनाया: पञ्चवर्षीणि पूरितानिव्य अत एवास्मिन् अवसरे परिसरेण पञ्चाब्दपूर्तिसमारोहः समायोजितः। तदुपलक्ष्य 13 जुलाई तः 15 जुलाईपर्यन्तं समायोजिता त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रिया अन्तर्जालीया संडगांधा। अस्या संडगांधाः केदीयो विषय आसीद् उत्तराखण्डविद्यावैभवम्। अस्य सारस्वत-कार्यक्रमस्य प्रथमे दिवसे उद्घाटनसत्रेण सह ज्योतिष-वेद-व्याकरणविषयाणाम् द्वितीये दिवसे च साहित्य-दर्शन-आधुनिक विषयाणां विमर्श-रूपाणि व्याख्यानानि समायोजितानि। तृतीये च अन्तिमे दिवसे कविसंगोष्ठ्या आयोजनं सरसं मनोहरत्वं आसीत्। तत्र चोद्घाटनसत्रे प्रोसुधारणीपाण्डेयमहोदया (पूर्वकूलपतिः, उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम् तथा हेमवतीनदनवहुगुणा



प्रो. सर्व नागारण झा डॉ. सुषा रानी पाण्डेय प्रो. बनमाली विश्वाल डा. कृष्णाकान कोटियाल डा. शैलेन्द्रनारायणकोटियाल

विश्वविद्यालयः, श्रीनगर, गढवालः), प्रो. सर्वनारायणझा (पूर्वकूलपतिः, कामेश्वरसिंह-दरभद्गा-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, दरभद्गा तथा निदेशकः, के.सं.वि.वि.लाखनऊ-परिसरः), श्रीकृष्णाकान्तकोटियालः (नगरपालिकाध्यक्षः, देवप्रयागः), डा. शैलेन्द्रनारायणकोटियालः (प्राचीयः, श्रीरघुनाथकीर्ति-आदर्शसंस्कृत-महाविद्यालयः; देवप्रयागः), प्रो. बनमालीविश्वालः (निदेशकः, श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः) समुदायितासत्त्वतः सभामुद्रोधितवतः। प्रो. सुषा रानीपाण्डेयमहोदयया उक्तं यद् उत्तराखण्डराज्यम् एतादृशं राज्यं विद्यते यत्र सर्वप्रथमं संस्कृतं द्वितीयराजभाषावरूपेण स्वीकृतास्ति। प्राचीनकालादभुतापर्यन्तमत्रानेकपां शास्त्राणां रचना विद्वादिभ्यः कृताः। अस्मिन् राज्ये विद्यमानस्य हिमालयस्य वर्णनं महाकविकालिदासेन स्वग्रथे कृतम्। प्रो. सर्वनारायणझामहोदयेन अत्र परिसरेद्वाटने कीदूरयः समस्या: आसन्, तासाज्व समाधानं कथं क्षेत्रीयजनानां सहयोगेन जात तत्सर्वं निगदितम्। डा. कृष्णाकान्तकोटियालः श्रीरघुनाथकीर्ति-आदर्शसंस्कृत-महाविद्यालयस्य सहयोगः अस्य परिसरस्य स्थापनायै कथं जातः, तद्विषये चर्चा कृता। परिसरस्य वर्तमान-निदेशकस्त्र कार्यकाले परिसरः समूचितां सम्पूर्णां प्राप्नुवन्नस्ति इत्युक्तवान्। डा. शैलेन्द्रनारायणकोटियाले प्रतिपादितं यत् अत्र गृहे गृहे देवानां वासो विद्यते। शास्त्राणां रचनाकारणात्, देवानां निवासाच्चेदं स्थानं देवभूमिनामा ज्ञायते। परिसरनिदेशकेन प्रो. बनमालीविश्वालमहोदयेन यत् परिसरस्याभिवृद्धये वयमहर्मिणं कार्यरताः स्मः। अस्य उत्तराखण्डप्रेरणस्य विद्यवैभवं सम्पूर्णे विश्वे लोकलोचने आनेतुम् अनुसन्धानाय विदुषः तथा छात्रांश्च प्रेरयामः। तर्थं प्राथमिके

अस्माकं प्रेरणास्त्रोतः- स्व.पं० रामकिशोरेशर्मा,

परामर्शकाः-डॉ.रमाकान्तशुक्लः, डॉ.बलदेवनन्दसागः, आचार्यपंकजः, डॉ. अविन्दव्युक्तमातिवारी, डॉ. राधेश्यामअवस्थी

सम्पादिका-मञ्जूशर्मा, सम्पादकमण्डलः- डॉ.सुन्दरनारायणझा, डॉ. सुरेन्द्रमहोती, डॉ. सनीकुमार, डॉ. सर्वीपकुमार, उपाध्याय, धीरजमैठाणी, प्रबन्धसम्पादकौ-वेदप्रकाशशर्मा, नेहाशर्मा च,

स्वत्वादिकारिण्या, मुद्रिका, प्रकाशिका सम्पादिका च मञ्जूशर्ममहोदयया राहुल-ऑफसेट-प्रिंटर्स, 521/8 कल्याणगांवी स. 14, योजपुरनगरप., वेहली-533: मुद्रापरिव्याप. ए-2/32, वर्जीरावावमार्गः भजनपुरा, वेहली-53 इत्यतः प्रकाशितम्। वृत्तमापः 09311086751 ई-मेलः sanskritsamvad@gmail.com, RNI No.: DELSAN/2011/38660 DL(E)-20/5534/2021-23 केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः नववेहली अनुवानेन प्रकाशयामानं पत्रिप्रिवदम्।

Sanskruti Varta (Ank - 03) August 2021.

12/03/2022

Amar Ujala

‘शास्त्रों के संरक्षण में महत्वपूर्ण होगी नई शिक्षा नीति’ केंद्रीय संस्कृत विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में शुरू हुई राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा

संवाद न्यूज एंजेंसी

देवप्रयाग। केंद्रीय संस्कृत विविं के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का शुभारंभ किया गया, जिसमें राज्यभर से संस्कृत विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। इस स्पर्धा में स्थान पाने वाले प्रतिभागियों का नियन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

कार्यक्रम का है खाटन करते हुए लाल

बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत साहित्य एवं संकाय प्रमुख प्रो. भगीरथ नंद ने कहा कि नई शिक्षा नीति हमारे शास्त्रों का संरक्षण करने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। विशिष्ठ अतिथि डॉ. शैलेंद्र नारायण कोटियाल ने छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रतिस्पर्धाओं को जरूरी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री ने कहा कि स्पर्धा में सफलता के लिए केवल रटना सही नहीं, अपितु पढ़ी गई वातों पर चिंतन और मनन

करना भी जरूरी है। वेद विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल ने स्वागत भाषण दिया। स्पर्धाओं में कक्षा-11 से लेकर आचार्य व पीएचडी के छात्र भाग ले रहे हैं। राज्यस्तरीय स्पर्धा में विजेता छात्र का चयन राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा के लिए किया जाएगा।

इस मौके पर डॉ. कृपाशंकर शर्मा, डॉ. अरविंद सिंह गौर, डॉ. वीरेंद्र सिंह, पंकज कोटियाल, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. श्रीओम शर्मा, जनार्दन सुवेदी, आशुतोष तिवारी आदि मौजूद थे।

2/10/2021 (अमृ उजाला) (एटाराइन)

प्रो. शास्त्री बने निदेशक

देवप्रयाग। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के चौथे निदेशक के रूप में प्रो. विजयपाल शास्त्री ने पदभार ग्रहण किया है। उनसे पूर्व प्रो. सर्वनारायण झा, प्रो. केबी सुब्बारायड़, प्रो. वनमाली विश्वाल परिसर के निदेशक रह चुके हैं।

वर्ष 2020 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद प्रो. विजयपाल शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ परिसर के चौथे निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण

किया। प्रो. शास्त्री संस्कृत और अनेक भाषाओं के विद्वान होने के साथ ही कई ग्रन्थों के लेखक हैं। उनकी विभिन्न विधाओं के साथ कई पुस्तकें एवं शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. शास्त्री ने कहा कि श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर को विवि के श्रेष्ठ परिसर की श्रेणी में स्थापित करना प्राथमिकता है। इस अवसर पर निवर्तमान निदेशक प्रो. वनमाली विश्वाल, डॉ. सच्चिदानन्द स्मेही, डॉ. कृपाशंकर शर्मा, डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल, डॉ. अनिल कुमार आदि मौजूद थे। संवाद

16/11/2021

Amar Ujala

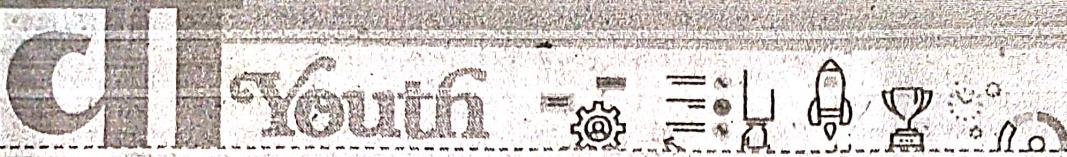
संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण व लेखन अनुवाद शुरू

देवप्रयाग। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के छात्रावास देवप्रयाग में संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण वर्ग एवं लेखन अनुवाद का शुभारंभ किया गया है। परिसर निदेशक प्रो. विजय पाल शास्त्री ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छात्रों को संस्कृत भाषा एवं सदाचार के प्रति जागरूक किया। मुख्य अतिथि डा. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल ने छात्रों को संस्कृत संभाषण के प्रति प्रेरित कर स्वयं संस्कारित होने को कहा। मुख्य वक्ता डा. श्रीओम शर्मा ने संस्कृत के आठ प्रकारों का विवेचन किया। डा. मनीष शर्मा ने कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में छात्रों को संस्कृत संभाषण की प्रेरणा दी। वेद विभाग के प्राध्यापक डा. अमंद मिश्र ने छात्रों को सामवेद के गायन की पद्धति से परिचय कराया। संवाद

Amar Ujala

.com

देहरादून | बृहस्पतिवार, 23 दिसंबर 2021



केंद्रीय संस्कृत विवि में गीता जयंती महोत्सव शुरू

महोत्सव में गीता के महत्व एवं उपयोगिता पर की गई चर्चा

संवाद चूज एजेंसी

देवप्रयाग। उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी पौड़ी की ओर से श्री रघुनाथ कीर्ति केंद्रीय संस्कृत विवि परिसर में तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव शुरू किया गया। इस मौके पर विद्वानों ने गीता की उपयोगिता एवं महत्व पर चर्चा की।

बुधवार को कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रो. वेद प्रकार उपाध्याय ने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता में लोक कल्याण, विश्व मंगल, बंधुत्व का संदेश निहित है।

केंद्रीय संस्कृत विवि के निदेशक प्रो. विजय पाल शास्त्री ने कहा कि गीता में कहे गए कर्म सिद्धांतों को आज के वैशिक परिप्रेक्ष्य में प्रासारित माना गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेएनयू के आचार्य हरिराम मिश्र ने कहा कि कर्म मीमांसा की तार्किक एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण से जीवन को उपयोगी बनाया जा सकता है। केंद्रीय संस्कृत विवि जम्मू वेद विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने मधुसूदन सरस्वती के भाष्य के आधार पर गीता के 18 अध्यार्थों का महत्वपूर्ण दर्शनिक पक्षों को उद्घृत किया। व्याकरण

विभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली विश्वाल ने कहा कि मानव कल्याण का मार्ग गीता प्रशस्त करती है। उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी के गज्ज संयोजक डा. हरिशचंद्र गुरुरानी ने गीता मास महोत्सव के संकल्प और उद्देश्य को की जानकारी देते हुए गीता पारायण पर विशेष बल दिया। सहवक्ता डा. रत्नलाल शर्मा शास्त्री ने जीवन दर्शन में कर्मों को महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डा. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल, डा. सच्चिदानन्द स्नेही, डा. अनिल कुमार, डा. श्रीओम शर्मा, डा. सुरेश शर्मा, डा. दिनेश आदि मौजूद थे।

न्यूज

लोनिवि पौड़ी ने जीता उद्घाटन मुकाबला

पौड़ी। मकरंग मेला समिति पैडलस्टू की ओर से आयोजित कियोर फुटबाल प्रतियोगिता का आगाज हो गया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला लोनिवि पौड़ी ने जीता बुधवार से कंड खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। लोनिवि पौड़ी ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता से खेल मंच प्रदान होता है। उद्घाटन मुकाबला कंडारा व लोनिवि खेला गया। एकत्रफा मुकाबले में लोनिवि पौड़ी की टीम मुकाबला अपने नाम किया। लोनिवि की ओर से अभ्यन्तरीन अमन व विकास ने, 1-1 गाल किए। संवाद

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने के लिए नरेद्रनगर (टिहरी)। धर्मानन्द उनियाल राजकीय महाविद्यालय सेवा योजना इकाई की ओर से सिंगल युज प्लास्टिक उन पर्यावरण संरक्षण के लिए गोष्ठी आयोजित की गई। महाविद्यालय गोष्ठी का मुख्य शिक्षा अधिकारी एसपी सेमली किया। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डा. संजय कुमार प्लास्टिक प्रदूषण खतरनाक समस्या। इसका उपाय के बारे में प्रयोग को न करना है। इस मौके पर इओ रमेश सेमली, जारी, डा. संजय महर, डा. रशिम उनियाल, डा. डॉ राजेश, डा. संताम कुमार, डा. विजय प्रकाश भट्ट आदि

नवोदय विद्यालय में एनसीसी शिविर रहा। जवाहर नवोदय विद्यालय पीपलकोटी में एनसीसी शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में नवोदय सीनियर डिविजन के 50 व जूनियर डिविजन के 50 कैडेट्स प्रतिभाग कर रहे हैं।

प्रधानाचार्य आरआर सिंह, दिनेश चंद्र कानेयाल, शिक्षक लेफ्टनेट फिरोज अहमद, हेमलता आदि उपस्थित रहे।

कांडड तल्ली, कंडारा व कमेडा की टीमें

उत्कर्ष नवाचारी में
प्रिंस अव्वल

उल्लेखन ने जीता मैच